



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। मु.मंत्री ने कहा, भाजपा विधायकों की गुजरता में ट्रेनिंग कराई जायेगी।

सभी मंत्री सप्ताह में एक दिन विधायकों की सुनवाई करें- मुख्यमंत्री भजनलाल

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करने के निर्देश भी दिए

जयपुर, 30 जुलाई (का.सं.) विधानसभा में आज भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। विधायक दल की पिछली बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायकों को ट्रेनिंग देने की मंशा जाहिर की थी, जिसके बाद अब यह तय किया गया है कि अगस्त में दो दिन की चिंतन बैठक आयोजित की जाएगी।

यह बैठक गुजरात में आयोजित हो सकती है। इस बैठक में विधायकों को विधानसभा के नियमों व कार्यप्रणाली के प्रशिक्षण के साथ-साथ क्षेत्र की जनता के साथ संवाद की ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पहले ही विधायकों से कह चुके हैं कि वह क्षेत्र की जनता के साथ लगातार संवाद बनाए रखें तथा

विधानसभा में आयोजित विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री ने विधायकों को विधानसभा के कायदे-कानूनों का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विधायकों की 14 दिन की ट्रेनिंग अगस्त में गुजरात में होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के सभी मंत्रियों को सप्ताह में तीन दिन जयपुर रहने के निर्देश दिए और कहा कि विधायकों के काम होने चाहिए।

विधायक का स्टाफ भी जनता के साथ शालीनता से पेश आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इनमें से

एक दिन मंत्री विधायकों की सुनवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं और कार्य लेकर जयपुर आते हैं, ऐसे में उनके काम होने चाहिए। सभी मंत्री विधायक के क्षेत्र में अपने विभाग से संबंधित काम

को प्राथमिकता से पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणाएं धरातल पर उतरें, इसके लिए जरूरी है कि सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं के एजीक्यूशन की निगरानी रखें।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधायकों को निर्देश दिए कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं का भी पूरा ध्यान रखें। कार्यकर्ताओं की मेहनत को वजह से ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। ऐसे में जरूरी है कि कार्यकर्ताओं की भावनाओं का भी सम्मान किया जाए। विधायक महीने में एक बार कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करें तथा भोजन करते हुए उनसे क्षेत्र और उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानें और उन्हें हल करने का प्रयास करें।

नए राज्यपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) व पुलिस अधिकारियों ने भी उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल बागड़े से मंत्री परिषद के सदस्यों का परिचय करवाया। एयरपोर्ट पर मनीनीत राज्यपाल को आर.ए.सी. की बटालियन ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल बागड़े ने परेड की सलामी ली और सम्मान गारद का निरीक्षण किया।

मनीनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े का जयपुर राजभवन पहुंचने पर भाव-भरा स्वागत किया गया। उन्हें राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर राज्यपाल बागड़े की अगवानी की।

मनीनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राजभवन पहुंचने के बाद, सबसे पहले भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उन्होंने राजभवन स्थित राज राजेश्वर मंदिर में जलार्पण कर भगवान को बिल्व पत्र और प्रसाद अर्पण कर सबके मंगल की कामना की। राजभवन के अधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए अपना परिचय दिया। मनीनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राजभवन पहुंचने के बाद मंगलवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने उनकी अगवानी की।

झारखण्ड में रेल एक्सिडेंट, 18 बोगियां पटरी से उतरीं

हावड़ा-मुम्बई मेल ट्रेन के टकराने से पास में खड़ी मालगाड़ी की भी कुछ बोगियां पटरी से उतर गईं, हादसे में दो लोगों की मौत व 22 घायल हुये हैं

नई दिल्ली, 30 जुलाई। रेलवे ने झारखंड के बाराबांजू स्टेशन के पास मंगलवार को हुए 12810 हावड़ा-मुम्बई मेल हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। रेलवे की ओर से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की राशि दी गई है। घायलों को 1-1 लाख रुपये देने की घोषणा की गई। हादसे में अब तक 2 लोगों की मौत हुई है। वहीं झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने घायलों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे ने 12810 हावड़ा-मुम्बई मेल हादसे में मारे गए दो मृतक यात्रियों के परिजनों को 10-10

यह दुर्घटना मंगलवार तड़के पाँच बजे जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि एक रेलवे कर्मचारी ने घटना से आधे घंटे पहले ही दुर्घटना स्थल की जगह पर पटरी में खराबी होने की सूचना दी थी लेकिन इस पर लापरवाही बरती गई और सुरत कार्यवाही नहीं की गई।

डिब्बे झारखंड के चक्रधरपुर मंडल में बड़ाबम्बू स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि 22 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना तड़के पाँच बजे दक्षिण-पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई। एएसईआर के प्रवक्ता ओम प्रकाश चरण ने बताया कि पास में एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई।

3 अगस्त को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वो दिल्ली से 3 अगस्त को सुबह 7 बजे सड़क मार्ग से रवाना होकर राजस्थान के बॉर्डर पर सुबह 9 बजे पहुंचेंगे, जहां पर उनका भव्य स्वागत का दौर शुरू होगा। इसके बाद वे बहरोड, कोटपुतली, शाहपुरा होते हुये, जयपुर प्रवेश करेंगे। इन सभी स्थानों पर कार्यक्रमों और नेताओं की ओर से उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा। करीब 11:30 बजे राठौड़ जयपुर पार्टी कार्यालय पहुंचेंगे तथा 12 से 1 बजे के बीच में पदभार ग्रहण करेंगे।

दो दिन जयपुर में रुकने के बाद, राठौड़ 5 अगस्त को दिल्ली जाएंगे और 12 अगस्त तक राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होंगे। उसके बाद 13 अगस्त के बाद प्रदेशाध्यक्ष का पाली आने का कार्यक्रम बनेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मंत्रिमंडल के सभी सदस्य, सभी पूर्व अध्यक्ष तथा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कार्यालय पर ताजपोशी की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। पार्टी कार्यालय के बाहर और आस पास राठौड़ के समर्थकों ने पोस्टर लगा दिए हैं। ताजपोशी के मौके पर प्रदेश भर से समर्थकों को जयपुर पहुंचने के लिए कहा जा रहा है। पदभार ग्रहण करने से पहले, पार्टी कार्यालय के बाहर राठौड़ नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ समर्थकों को संबोधित भी करेंगे।

'यू.पी.ए. राज में सिर्फ दो राज्यों की गिनती होती, बाकी 26 राज्यों की उपेक्षा की जाती थी'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने बजट में विपक्षी गठबंधन इंडिया शासित राज्यों की अनदेखी किये जाने के आरोपों का सदन में जवाब दिया

सीतारमन ने कहा कि बजट में सभी वर्गों और सभी क्षेत्र के साधने का प्रयास करके सभी तरह की चुनौतियों से निपटने के प्रावधान किए गए हैं। बजट व्यय में 48.21 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है जो पिछले साल से 7.3 प्रतिशत अधिक है।

निर्मला सीतारमन ने कहा कि यूपीए सरकार के समय में 2009-10 के पूर्ण बजट में केवल बिहार और उत्तर प्रदेश का उल्लेख किया गया था और 26 राज्यों का उल्लेख तक नहीं था। उन्होंने विभिन्न राज्यों के लिए बजट में योजनाओं के लिए आवंटन की सूची गिनाते हुए कहा कि उनके बजट प्रावधान में राज्यों की उपेक्षा करने का झूठ फैलाने की कोशिश की गई है, जिससे उन्हें बहुत पीड़ा है। सीतारमन ने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये है जो कोविड के पहले की तुलना में तीन गुना हो गया है। कोविड के

'हिरासत में केजरीवाल का शुगर लैवल गिर रहा है, पर उन्हें रिहा नहीं कर रहे हैं'

आप नेता गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी, पर, साजिश रचकर उन्हें जेल में ही रखा गया है

- सतीश मिश्रा -

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। इंडिया ब्लाक के नेता आज दिल्ली में जन्तार-मंतर पर एकत्रित हुए और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के स्वास्थ्य में गिरावट के मद्देनजर उन्हें जेल से रिहा करने की मांग की तथा भाजपा नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विपक्ष की आवाज को "कुचल" रही है।

उन्होंने दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले तीन छात्रों की मौत के भी केन्द्र सरकार को दोषी ठहराया।

यहां धरना-प्रदर्शन के दौरान "भारत माता की जय" और "तानाशाही का खाम्ता हो" के नारे भी लगाए गए। सी.पी.आई. (एम.एल.) लिबरेशन के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के तीन वरिष्ठ नेताओं केजरीवाल, मनीष सिंसोदिया व सत्येन्द्र जैन जेल में डाला हुआ है जो एक "साजिश का हिस्सा है।"

भट्टाचार्य ने सभा के दौरान कहा कि "मोदी सरकार दिल्ली में अराजकता के लिए जिम्मेदार है। इस अराजक अव्यवस्था ने राजेन्द्र नगर में संघ लोक सेवा आयोग के तीन प्रत्याशी छात्रों की जान लेगी।"

उन्होंने आगे यह भी कहा कि "उन्होंने एक सोचे समझे षडयंत्र के तहत आप पार्टी को ध्वस्त करने तथा दिल्ली सरकार को कमजोर करने की काफी कोशिश की। एक निर्वाचित मुख्यमंत्री कारावास में है। दिल्ली में दंगों के झूठे आरोपों में उमर खालिद व अन्य कार्यकर्ता जेल में हैं। भीमा कोराव केश में फादर स्टैन स्वामी को झूठे आरोपों में फंसाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का

■ आम आदमी पार्टी सहित तमाम इंडिया गठबंधन ने जन्तार-मंतर पर धरना दिया और आप नेता व दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को रिहा करने की मांग की।

■ रैली में विपक्ष के नेताओं ने कहा कि केजरीवाल, मनीष सिंसोदिया और सत्येन्द्र जैन को साजिश के तहत जेल में रखा गया है। दिल्ली में अव्यवस्था के लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिसकी वजह से यू.पी.एस.सी. की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की जान चली गई।

■ प्रदर्शन में शरद पवार, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोर्गोई, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी भी मौजूद थे।

इस्तेमाल किया गया थाजिनकी हिरासत में ही मृत्यु हो गई थी। नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक बहुत बड़ा षडयंत्र रचा गया है।"

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार "उन लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है जो उनका विरोध करते हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि "यद्यपि, हाल ही के जनदेश ने यह साबित कर दिया है कि जनता तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी। हम न्याय सुनिश्चित करेंगे। हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और जनता को चाहिए कि वह भाजपा को करारा जवाब दे और उसे हरा दे। यही करने की जरूरत है।"

दिल्ली में आप पार्टी के प्रदेश समन्वयक गोपाल राय ने कहा कि जेल में केजरीवाल का शुगर लैवल नीचे गिरता जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि "केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत प्रदान कर दी गई थी लेकिन उन्हें जेल में ही रखने के लिए एक षडयंत्र रचा गया था। भाजपा विपक्ष

के नेताओं को क्यों जेल में रखना चाहती है? यू.पी.एस.सी. के तीन उम्मीदवारों की मौत का जिम्मेदार कौन है? उन्होंने आरोप लगाया कि "उपराज्यपाल से जब इस घटना के बारे में सवाल किया जाता है तो वे इस पर चुप है। भाजपा, जो आज केजरीवाल का त्यागपत्र मांग रही है उसने ही दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन ली हैं। वे अधिकार चाहते हैं परन्तु जब उन्हें जवाबदेह ठहराया जाता है वे भाग जाते हैं।"

एन.सी.पी.-एस.पी. के अध्यक्ष शरद पवार व लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता भी इंडिया गठबंधन की रैली में उपस्थित थे।

कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अपने भाषण की शुरुआत में केजरीवाल की पत्नी सुनीता को "प्रतिरोध का प्रतीक" बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि "हम यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, व पार्टी की नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी की तरफ से केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ संघर्ष में आप पार्टी व केजरीवाल को समर्थन देने के लिए आए हैं। केजरीवाल की

गिरफ्तारी अवैध व असंवैधानिक तरीके से की गई है जो कुछ नहीं बल्कि भाजपा की बदनीयती को दर्शाती है।"

कांग्रेस व आप पार्टी ने कुछ समय पूर्व सम्पन्न लोकसभा के चुनाव दिल्ली में पूर्व सम्पन्न लोकसभा के चुनाव दिल्ली में गठबंधन के साथ लड़ा था। आप ने चार लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, गठबंधन को चुनावों में एक भी सीट पर विजय नहीं मिली।

गोर्गोई ने भाजपा व इसके नेताओं को चेतावनी दी कि वे विपक्ष को उठा नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "इस रैली से उनका यह ग्रम टूट जाएगा।"

यदि इस वर्ष हुए लोकसभा के चुनाव निष्पक्ष होते तो भाजपा विपक्ष में बैठी होती और हम सत्ता में होते। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी।"

जातिगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) को कड़ी चोट पहुंचाई है और इसीलिए उन पर हुआ हमला काफी तीखा और सटीक था।

जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी द्वारा आरक्षण का विरोध किये जाने और राजीव गांधी के मण्डल आयोग का विरोध करने के कथानक के साथ भाजपा कांग्रेस को आड़े हाथ लेने की तैयारी करके आई थी।

लेकिन, राहुल गांधी ने कहा कि अर्जुन की भांति उनका फोकस जातीय जंगणना तथा आबादी के हिसाब से लोगों को सत्ता में भागीदारी देने पर है।

भाजपा के दलित, ओ.बी.सी. और आदिवासी सांसदों की स्थिति विकट हो गई है, क्योंकि उन्हें जातिगत आरक्षण का विरोध करने में कठिनाई होगी।

वायनाड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वायनाड में सभी संभावित सहायता उपलब्ध करवाने का अनुरोध करना।" उन्होंने यू.डी.एफ. कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे राहत और बचाव अभियानों में प्रशासन की मदद करें।" कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड में मेप्पाडी के निकट जबर्दस्त भू-स्खलन से हुई तबाही को लेकर वे बेहद दुःखी हैं।

उन्होंने कहा कि "जिन लोगों ने अपने प्रियजन खोए हैं, उनके लिए मेरी गहरी शोक संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। उम्मीद करती हूँ और प्रार्थना करती हूँ कि जल्द से जल्द सभी सुरक्षित कर लिये जाएंगे।"

राहुल गांधी ने बाद में लोकसभा में केन्द्र सरकार से मांग की कि प्रभावित लोगों के बचाव और पुनर्वास के लिए सभी संभावित सहयोग प्रदान किया जाए।

इस मुद्दे को शून्य काल में उठाते हुए भू-स्खलन में मारे गए लोगों के सगे संबंधी को बड़ी हुई क्षतिपूर्ति राशि देने और परिवहन तथा संचार की महत्वपूर्ण लाइन्स को फिर से व्यवस्थित करने की मांग की।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड लोकसभा सीटों से चुनाव जीते हैं, लेकिन उन्होंने रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया है। चर्चा है कि वायनाड में जब भी उपचुनाव होगा वहां से प्रियंका गांधी चुनाव लड़ने जा रही हैं।

निष्कासित करने का फैसला सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद लिया गया था। उन्हें पार्टी फोरम में अपने मुद्दों पर चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। तब 26 जून को कार्यसमिति की बैठक में भी प्रस्ताव के माध्यम से उनसे पार्टी फोरम में अपनी शंकाओं पर चर्चा करने की अपील की गई थी, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

भूदंड ने कहा कि संयम बरतने के बजाय पार्टी नेताओं ने योजनाबद्ध तरीके से पार्टी विरोधी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया और स्पष्ट किया कि उन्हें पार्टी संगठन पर कोई भरोसा नहीं है। अनुशासनहीनता के ऐसे कृत्यों का किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और अनुशासनसमिति ने उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया है।

वरिष्ठ नेता ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और इसका उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

■ पार्टी ने इन नेताओं को निष्कासित किये जाने के पीछे की वजह पार्टी का अनुशासन भंग करना बताया है।

सुखबीर बादल से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों के निष्कासन के बाद खाली हुए सात निर्वाचन क्षेत्रों में नकोदर, भोलाथ, चनुआर, सनौर, समाना, गडशंकर और राजपुरा शामिल हैं।

बलवंदर भूदंड ने बताया कि आत्ममंथन के दौरान यह बात सामने आई कि इन आठ नेताओं ने पार्टी में फूट डालने और इसे कमजोर करने के लिए पार्टी के दुश्मनों के साथ सक्रिय रूप से मिलीभगत की थी।

वर्षों के अनुशासन के साथ ही यह भी महसूस किया गया कि इन नेताओं ने व्यापक साजिश के तहत जानबूझकर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि नेताओं को

अकाली दल ने आठ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से निकाला

निष्कासित किये गये सभी नेता पार्टी चीफ सुखबीर बादल से इस्तीफे की मांग कर रहे थे

चंडीगढ़, 30 जुलाई। पंजाब की दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण आठ नेताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। साथ ही सात नेताओं को हलका इंचार्ज के पद से भी हटा दिया गया है।

पार्टी ने यह भी घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेने के बाद इन रिविजनों को जल्द से जल्द भरा जाएगा। वरिष्ठ नेता बलवंदर सिंह भूदंड की अध्यक्षता वाली पार्टी की अनुशासन समिति ने बैठक में इस आशय का निर्णय लिया।

पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निकाले गए आठ वरिष्ठ नेताओं में गुरताप सिंह वडाला, बीबी जागीर कौर, प्रेमसिंह चंदमाजरा, परमिंदर सिंह ढौंडसा, सिक्दर सिंह मलूका, सुरजीत सिंह रखड़ा, सुरिंदर सिंह देकेदार और चरणजीत सिंह बराड़ शामिल हैं। इन सभी नेता बगावत करते हुए पार्टी चीफ